trying to find out. Everbody is very anxious about her safety. You must take this responsibility and please see that she is safe.

SHRI KAPIL VERMA : She might have been taken to another Police Station.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now we have a reply by the Finance Minister to the Short Duration Discussion and a Statement on Andhra Pradesh. Let the Finance Minister reply.

THE MINISTER OF FINANCE (PROF. MADHU DANDAVATE) : Madam, I would suggest that in this atmosphere the Discussion on the price situation would not be all right. It may be put off till tomorrow.

SHRI P. SHIV SHANKER : Madam, that would be fine because it is a serious matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN : If the House agrees...

SOME HON. MEMBERS : Yes, yes.

उपसभापति : मंत्री जी, अपना स्टेटमेंट कर दीजिये ।

STATEMENT BY MINISTER

Relief measures for Cyclone victims in Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Pondicherry

कृषि और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार) : महोदया, मेरे साथी श्री उपेन्द्र नाथ वर्मा ने आन्ध्र प्रदेश में आये समुद्री तूफान से उत्पन्न स्थिति के बारे में दिनांक 10-5-1990 को संसद को अवगत करा दिया था । अब कुछ और ब्यौरा उपलब्ध हो चुका है, अतः मैं सदन की अनुमति से अभी तक हुई क्षति और किये गये राहत उपायों के संबंध में अद्यतन स्थिति के बारे में एक वक्तव्य देना चाहता हूं ... (**व्यवधान**)

उपसभापति : मैं जा रही हूं, पूछती हूं, I will find out.

[The Vice-Chairman (Prof. Chandresh P. Thakur) in the Chair].

श्री नितिश कुमार : जैसा कि माननीय सदस्यों को पता ही है कि तेज हवा के साथ-साथ भीषण समुद्री तूफान 9 मई, 1990 को कृष्णा नदी (मचलीपटनम् के दक्षिण में) के पास दक्षिण आन्ध्र प्रदेश के तट को पार कर गया था । इसके साथ लगभग 200 से 240 कि. मी. प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवायें चली तथा समुद्र में 5 से 6 मीटर की ऊंचाई की लहरें तट से टकराईं । इसके फलस्वरूप उत्तरी तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र, उड़ीसा के तटीय क्षेत्र के कुछ स्थानों तथा पश्चिम बंगाल के एक या दो स्थानों एवं त्रिपुरा में भारी वर्षा से लेकर अधिक भारी वर्षा रिकार्ड की गयी ।

आन्ध्र प्रदेश के सभी तटीय जिलों में इस समुद्री तूफान से सबसे अधिक प्रभाव पड़ा । कृष्णा और गुन्टूर जिले बुरी तरह से इसकी चपेट में आये । इसके अतिरिक्त अन्य प्रभावित जिले पश्चिम गोदावरी पूर्वी गोदावरी, प्रकासम्, विशाखापटनम्, विजियानगर्, श्रीकाकुलम् और नेल्लोर हैं । कम प्रभावित अन्य जिले खम्माम, महबूबनगर, वारंगल, नलगोंडा और चित्तूर हैं । इन जिलों के कुछ भाग बाढ़ और भीषण वर्षा के कारण जलमग्न हो गये थे । समुद्री तूफान का प्रभाव तमिलनाडु राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश पांडिचेरी में भी कुछ जगहों पर महसूस किया गया, हालांकि यह प्रभाव गंभीर रूप से नहीं पड़ा ... (**व्यवधान**)

RE. ARREST OF A MEMBER OF RAJYA SABHA

श्रीमती सूर्यकांता पाटील : उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी-अभी हमने लातूर से फोन किया था सुशीला तिरिया जी के घर । उनके नौकर का कहना है कि सुशीला तिरिया जी सवेरे से गई हैं, अभी तक